

दरियाई घोड़ों के बाल क्यों नहीं होते

✍ Basilio Gimo, David Ker

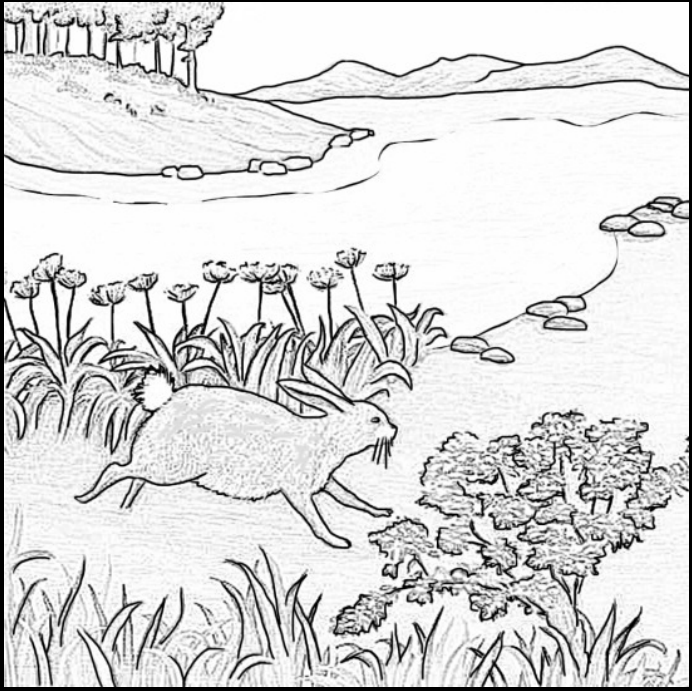
👤 Carol Liddiment

🗣 Nandani

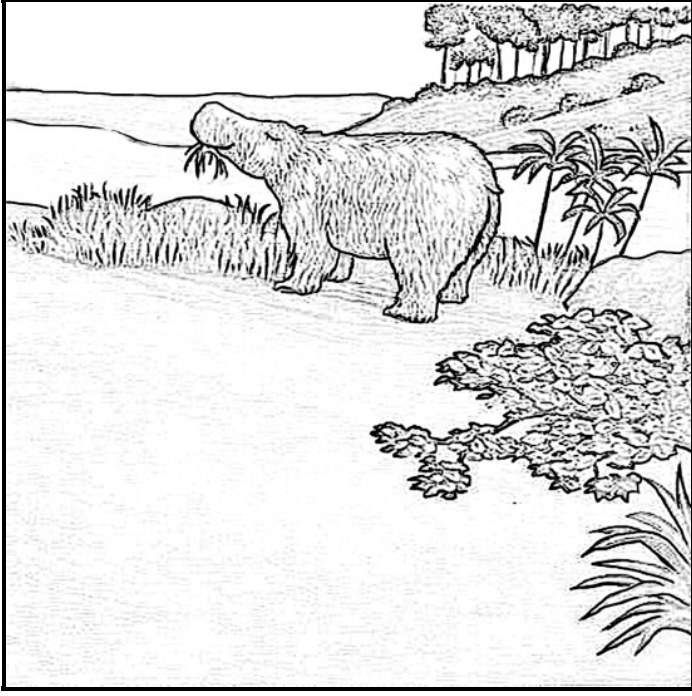
💬 Hindi

📊 Level 2

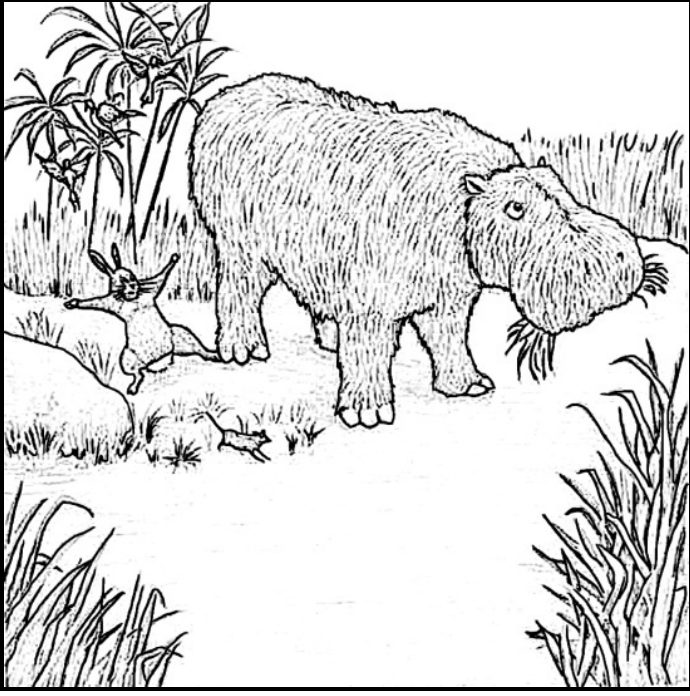




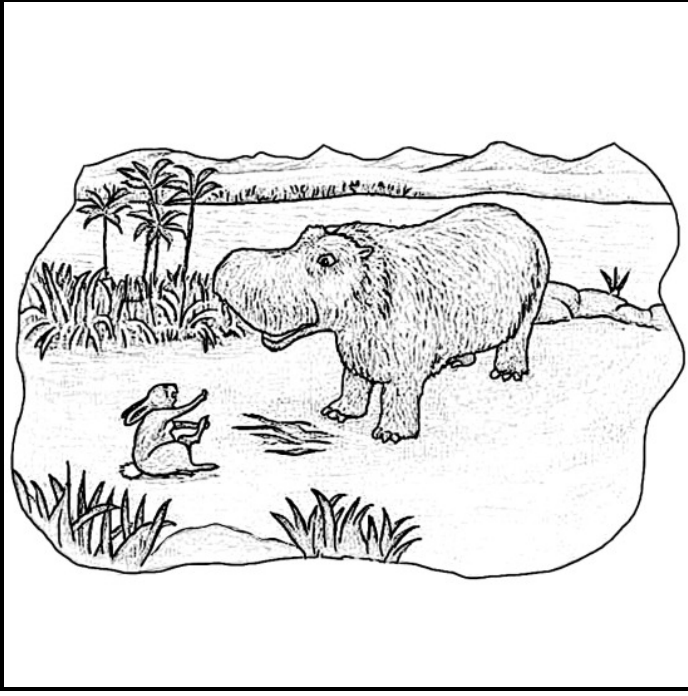
एक दिन, खरगोश नदी किनारे घूम रहा था।



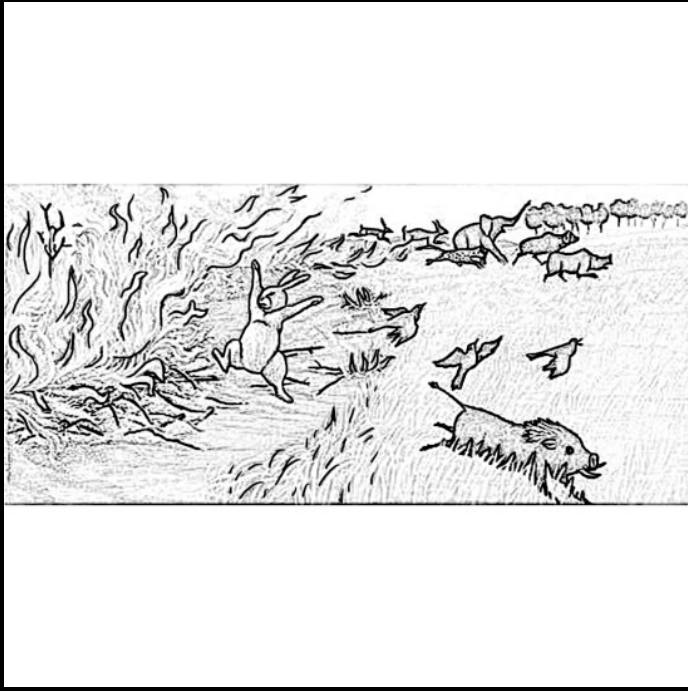
दरियाई घोड़ा भी वही थी, वह घूम रहा था और कुछ अच्छी घास खा रहा था।



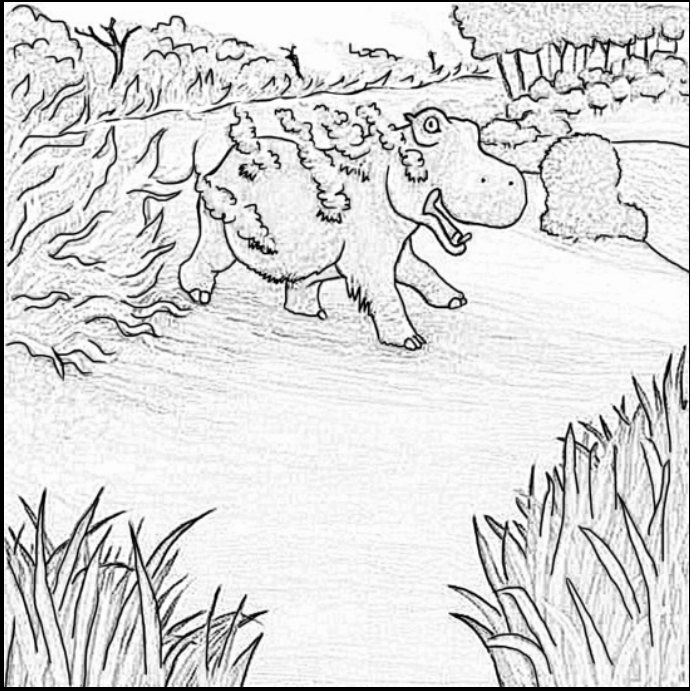
दरियाई घोड़े ने नहीं देखा कि खरगोश भी वही है उसने गलती से खरगोश के पैरों पर अपना पैर रख दिया। खरगोश दरियाई घोड़े पर चिलाने लगा, “तुम दरियाई घोड़े! तुम देख नहीं सकती कि मेरे पैरों पर अपना पैर रख रही हो?”



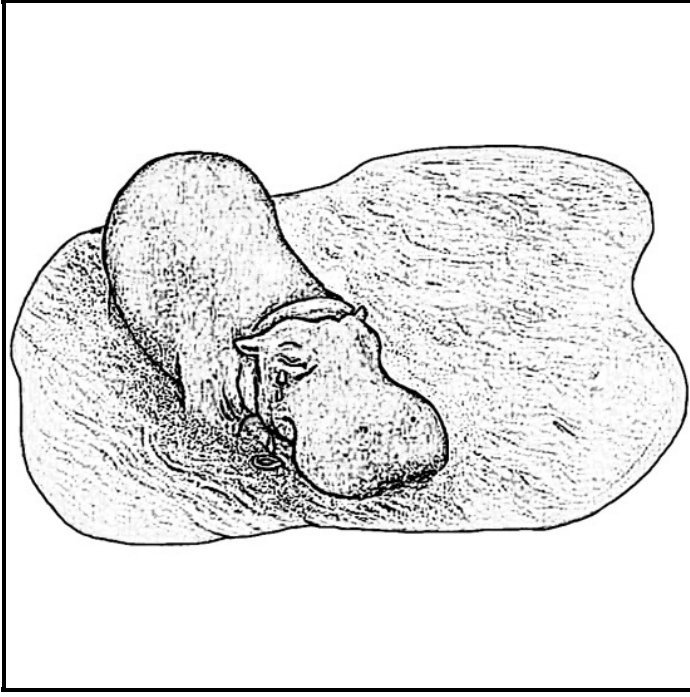
दरियाई घोड़े ने खरगोश से माफ़ी मांगी, "माफ़ करना मुझे। मैंने तुमको नहीं देखा। मुझे माफ़ी दे दो!" लेकिन खरगोश ने उसकी बात नहीं सुनी और वह दरियाई घोड़े पर चिल्लाने लगा, "तुमने जान बूझकर किया है! किसी दिन, तुम देखना! तुम्हे भुगतना पड़ेगा"



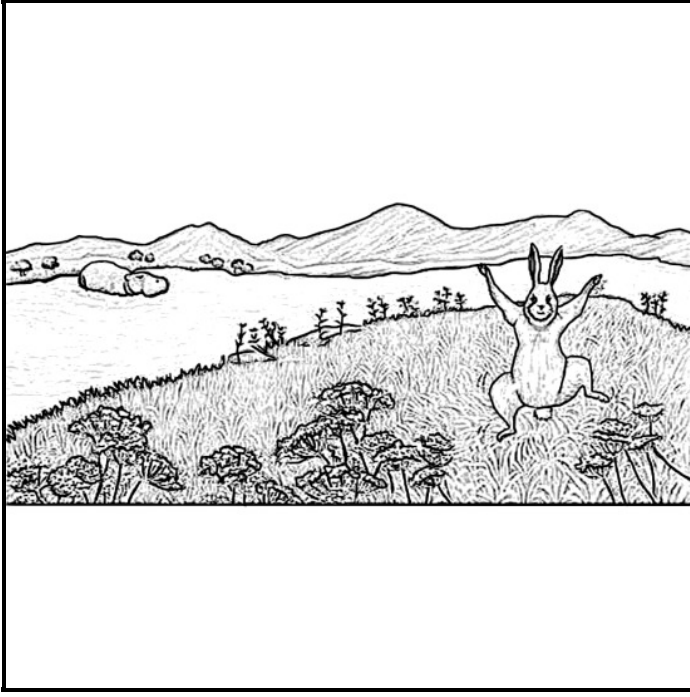
खरगोश मैदान में लगी आग के पास गया और बोला "जाओ, दरियोई घोड़े को जला दो जब वह घास खाने पानी से बाहर आयेगी। उसने मुझे पैरों के कुचला!" आग ने उत्तर दिया, "कोई समस्या नहीं, खरगोश मेरे दोस्त। मैं वही करूँगा जो तुमने कहा।"



बाद में, दरियोई घोड़ा नदी से दूर घास खा रही थी तभी, “बाप रे!” आग लपटें में धधकने लगा। लपटे दरियोई घोड़े के बाल जलाने लगी।



दरियाई घोड़े ने रोना शुरू कर दिया और पानी के लिए दौड़ी। उसके सारे बाल आग से जल गए थे। दरियाई घोड़ा रो रही थी “मेरे बाल आग में जल गए! मेरे सारे बाल चले गए! मेरे सुंदर बाल!”



खरगोश खुश था कि दरियाई घोड़े के सारे बाल जल गए। और उस दिने से, आग के डर से, दरियाई धोड़ा पानी से दूर नहीं गई।



Storybooks Outline

global-asp.github.io/storybooks-outline

दरियाई घोड़ों के बाल क्यों नहीं होते

Written by: Basilio Gimo, David Ker

Illustrated by: Carol Liddiment

Translated by: Nandani

This story originates from the African Storybook (africanstorybook.org) and is brought to you by [Storybooks Outline](#) in an effort to provide children's stories in the world's many languages.



This work is licensed under a Creative Commons
[Attribution 3.0 International License](https://creativecommons.org/licenses/by/3.0/).